चित्तोद्वेगं विधायापि हरिर्यद्यत् करिष्यति।
तथैव तस्य लीलेति मत्वा चिन्तां द्रुतं त्यजेत्॥
चिंता और उद्वेग में संयम रखकर और ऐसा मानकर कि श्रीहरि जो-जो भी करेंगे वह उनकी लीला मात्र है, चिंता को शीघ्र त्याग दें।

सुप्रभात

चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया, विक्रम संवत 2076

अमर उजाला my city

सोमवार • 08.04.2019

लखनऊ

08 फूलों से सजी पालकी में सवार होकर निकले भगवान झूलेलाल

मशीनों से संभव हुआ ग्लूकोमा व ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज

संगोष्ठी में पहुंचे अतिथि। *अमर उजाला*

लखनऊ। मशीनों के उपयोग से ग्लूकोमा, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का भी इलाज संभव हो सका है। रविवार को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स में आयोजित 'मशीन लर्निंग विद एप्लीकेशंस टू सिक्योरिटी' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एकेटीयू के फैकल्टी प्रो. एमके दत्ता ने यह जानकारी दी।

प्रो. दत्ता का कहना है कि मशीनें खेती और मत्स्य पालन में भी काफी मददगार हैं। मशीनों का उपयोग पहले से मौजूद डाटा से सीखने के लिए किया जाता है। इससे हमें सही इलाज और समाधान तलाश करने में बेहतर मदद मिल पाती है। वहीं मुख्य अतिथि आईईटी में कंप्यूटर साइंसेज के विभागाध्यक्ष एसपी त्रिपाठी ने बताया कि बड़े डाटा के आकलन के लिए अब मशीनों का उपयोग हो रहा है। इसमें डाटा को नियंत्रित करने के लिए जरूरी साइबर सुरक्षा भी चाहिए होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरणविद् डॉ. भरतराज सिंह ने की। वहीं बीबीडी में इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण शुक्ला ने बताया कि साइबर सुरक्षा में भी मशीनों की काफी उपयोगिता है। साइबर आतंकवाद, साइबर युद्धोन्माद एवं साइबर जासूसी जैसी शब्दावली इसी से पैदा हुई हैं। कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन आरके त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष वीबी सिंह, सचिव प्रभात किरण चौरसिया मौजूद रहे। ब्यूरो